शास्त्री परीक्षा : तृतीय खण्ड

‘क’ वर्गीय विषय (कोई एक विषय)

नव्यव्याकरण–

प्रथम पत्रम्–

1. परिभाषेन्दुशेखरः। (आदितः अन्तरंगपरिभाषान्तो भागः)

द्वितीय पत्रम्–

2. परिभाषेन्दुशेखरः। (नाजनांतर्ये इत्ययः समाप्तिपर्यन्तम्)

तृतीय पत्रम्–

3. लघुशब्देशेखरः।

चतुर्थ पत्रम्–

4. व्याकरणमहाभाष्यम्।

प्राचीन व्याकरण–

प्रथम पत्रम्–

(क) व्याकरणमहाभाष्यम्। (1–3 पादाः)
(ख) काशिका नियतभागस्था कारिकांशरहिता

द्वितीय पत्रम्–

(क) व्याकरणमहाभाष्यम। (तृतीयाध्यायस्य चतुर्थपादः, चतुर्थध्यायस्य प्रथमपादश्च)
(ख) काशिका नियतभागस्था कारिकांशरहिता

तृतीय पत्रम्–

(क) व्याकरणमहाभाष्यम्। (चतुर्थध्यायस्य 2–4 पादाः)
(ख) काशिका नियतभागस्था कारिकांशरहिता

चतुर्थ पत्रम्–

वैयाकरणभूषणसारः

साहित्य–

प्रथम पत्रम्–

(क) काव्यप्रकाशः (1–3 उल्लासाः)
(ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली। शब्द खण्डः।

द्वितीय पत्रम्–

काव्यप्रकाशः (4–6 उल्लासाः)

तृतीय पत्रम्–

(क) काव्यप्रकाशः (7–8 उल्लासाः)
(ख) वामनस्य काव्यालंकारसूत्रम् (तृतीयाधिकरणे गुणनिरूपणम्)

चतुर्थ पत्रम्–

काव्यप्रकाशः (9–10 उल्लासाः)

प्राचीनन्यायवैशेषिकम्–

प्रथम पत्रम्–

1. न्यायमञ्जर्याः प्रमाणप्रकरणम्

द्वितीय पत्रम्–

2. न्यायवार्त्तिकस्य (तात्पर्यटीकासहितप्रथमाध्यायस्य) प्रथमाह्निकम्

तृतीय पत्रम्–

3. न्यायवार्त्तिकस्य (तात्पर्यटीकासहितप्रथमाध्यायस्य) द्वितीयमाह्निकम्

चतुर्थ पत्रम्–

4. न्यायमञ्जर्याः प्रमेयप्रकरणस्य 7–9 आह्निकानि

नव्यन्यायः–

प्रथम पत्रम्–

1. गादाधर्याः सव्यभिचारप्रकरणम्

द्वितीय पत्रम्–

2. गादाधर्याः सत्प्रतिपक्षप्रकरणम्

तृतीय पत्रम्–

3. शब्दशक्तिप्रकसशिका नामकरणान्ता

चतुर्थ पत्रम्–

4. गादाधर्या अवयवप्रकरणं प्रतिज्ञालक्षणान्तम्

शांकरवेदान्तः–

प्रथम पत्रम्–

1. शांकरभाष्यसहितायाः छान्दोग्योपनिषदः 5–8 अध्यायाः

द्वितीय पत्रम्–

2. शांकरभाष्यसहितायाः बृहदारण्यकोपनिषदः 1–3 अध्यायाः

तृतीय पत्रम्

3. चित्सुखी–(प्रत्यक्तत्त्वप्रदीपिका) प्रथमपरिच्छेदस्यानिर्वचनीयत्वनिरूपणान्ता

चतुर्थ पत्रम्–

4. चित्सुखी–अनिर्वचनीयनिरूपणात् प्रथमपरिच्छेदान्ता

रामानुजवेदान्तः–

प्रथम पत्रम्–

1. सिद्धत्रयम्–यामुनमुनिकृतम्

द्वितीय पत्रम्–

2. (क) तत्त्वसन्दर्भः–जीवगोस्वामिकृतः
   (ख) भक्तिमार्तण्डः–गोपेश्वरकृतः

तृतीय पत्रम्–

3. वेदान्तबोधः

चतुर्थ पत्रम्–

4. सिद्धान्तबिन्दुः–मधुसूदनकृतः

मध्यवेदान्तः–

1. रामानुजवेदान्तवत्।

निम्बार्कवेदान्तः–

1. रामानुजवेदान्तवत्।

गौडीयवेदान्तः–

1. रामानुजवेदान्तवत्।

वल्लभवेदान्तः–

1. रामानुजवेदान्तवत्।

रामानन्दवेदान्तः–

प्रथम पत्रम्–

1. छान्दोग्योपनिषद् (आनन्दभाष्यसहिता)
2. बृहदारण्यकोपनिषदः (आनन्दभाष्यसहितायाः) 1–3 अध्यायाः

तृतीय पत्रम्—

3. रामतापनीयोपनिषदः (हरिदासीयभाष्यसहितायाः) प्रथमोपनिषत्

चतुर्थ पत्रम्—

4. भगवद्गुणदर्पणम्—श्रीमदुरार्चायकृतम्

शक्तिविशिय्टाद्वैतवेदान्तः—

प्रथम पत्रम्—

1. चतुः सूत्र्यन्तं ब्रह्मसूत्रश्रीकण्ठभाष्यम्
   अप्पय्यदीक्षितकृतशिवार्कमणिदीपिकासहितम्

द्वितीय पत्रम्—

2. विशेषार्थप्रकाशिका, श्रीमायिदेवकृता।

तृतीय पत्रम्—

3. ब्रह्मसूत्रशांकरीवृत्तिः, श्रीउमचिगिशंकरशास्त्रिकृता प्रथमाध्यायपर्यन्ता।

चतुर्थ पत्रम्—

4. क्रियासारः, श्रीनीलकण्ठशिवाचार्यकृतः प्रथमोपदेशतश्चतुर्थोपदेशपर्यन्तः।

ऐच्छिक विषय 'ख' वर्ग (कोई एक विषय)

हिन्दी—

पंचम पत्रम्—

5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र—
   (क) भारतीय काव्यशास्त्र
   (ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र

षष्ठ पत्रम्–

6. हिन्दी साहित्य का इतिहास–

<u>नेपाली–</u>

पंचम पत्रम्–

5. साहित्यालोचन सिद्धान्त

सहायक ग्रन्थ–

1. साहित्य प्रदीप।
2. साहित्य प्रकाश।
3. साहित्य परिचय।
4. पूर्वीय काव्य–सिद्धान्त। गोविन्द प्रसाद भट्टराई
5. पूर्वीय काव्य–सिद्धान्त। डॉ. हेमांगराज अधिकारी
6. आख्यान का कुराहरू।
7. पाश्चात्य समालोचनाको सैद्धान्तिक परम्परा।
8. पाश्चाम्य समालोचना सिद्धान्त।

षष्ठ पत्रम्–

6. नेपाली साहित्यको इतिहास–

सहायक ग्रन्थ–

1. नेपाली साहित्य को परिचयात्मक इतिहास।
2. नेपाली साहित्य को इतिहास।
3. नेपाली साहित्य को संक्षिप्त इतिहास।
4. प्रारम्भिक काल को नेपाली साहित्य : पृष्ठभूमि र परम्परा।
5. नेपाली साहित्य को इतिहास (मध्यमिक काल)।
6. नेपाली साहित्य को आधुनिक प्रवृत्ति।
7. नेपाली–साहित्य–परिचय।

सप्तम पत्रम्–

7. <u>अतिरिक्त विषय : अंग्रेजी</u>

Part A : The Poets Pen. By P.E. Homai nd P. Dustoor

Part B : Julius Ceasar (Drama). By W. Shakespeare.